केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

**इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक २ मार्च, २०१४ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।**

# बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

## पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

**जनवरी, २०१४** **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

**अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।**

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

☞ **अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है** ☜

**बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

| | दिनांक | महिना | वर्ष |
|---|---|---|---|
| परीक्षार्थी का जन्म दिन | ☐☐ | ☐☐ | ☐☐☐☐ |

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

**वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर**.....

## ☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
२. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।
३. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे ।
४. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।
५. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**
६. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।
७. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
८. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | १ (९) | |
| | २ (६) | |
| | ३ (५) | |
| | ४ (५) | |
| | ५ (५) | |
| | ६ (८) | |
| **विभाग-१, कुल गुण ( ३८ )** | | |

| मोडरेशन कार्यालय के लिए | प्रश्न नंबर ( गुण ) | प्राप्तांक |
|---|---|---|
| | ७ (९) | |
| | ८ (६) | |
| | ९ (५) | |
| | १० (५) | |
| | ११ (६) | |
| | १२ (६) | |
| **विभाग-२, कुल गुण ( ३७ )** | | |

**परीक्षक के हस्ताक्षर**

.....

**મોડરેશન વિભાગ માટે જ**

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

**विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम संस्करण, जून - १९९७**

**प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** **( ९ )**

१. ''यह गोवर्धन पर्वत ही हमें सम्पूर्ण समृद्धि देता है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''मेरी देह अब इसी से टिक जायेगी ।''

३. ''ये गायें जब हज़ार हो जायें तब तुम आश्रम में लौटना ।''

**प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में )** **( ६ )**

१. श्रीजीमहाराज ने व्यापकानन्द स्वामी से कहा : 'आप उपदेश दें,चमत्कार दिखाने की झंझट में न पड़ें ।'

.....

.....

.....

.....

२. देवजीभाई और उनकी पत्नी दोनों प्रसन्न हुए ।

३. धनुर्मास में भगवान के आगे पुस्तकें और पढ़ाई के साधन रखने की प्रथा पड़ गई है ।

**प्र. ३** 'माताजी' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । ( वर्णनात्मक )** **( ५ )**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** **( ५ )**

१. सगराम पैदल चलकर कहाँ पहुँचा ? उस समय वहाँ कौन बिराजते थे ?

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज की आज्ञा मिलते ही प्रभाशंकर ने कहाँ की राह पकड़ी ?

३. आत्मानंद स्वामी की ब्रह्मस्थिति देखकर श्रीजीमहाराज अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते क्या देते थे ?

४. भगवद्गीता किस की वाणी है ?

५. सच्चिदानंद स्वामी ने महाराज की आज्ञा से कौन सी वाव खुदवाई थी ?

**प्र. ५** 'सत्संग हो भी जाय, .....' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । ( ५ )**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए ।** **( ८ )**

१. भवदुःख टले बले .....

..... सुफल करी लीजे ।

२. हम सभी स्वामी के ..... मृत्यु के लिए ।

३. विश्वेशभक्तिं ..... नमामि ॥

४. कार्य न सहसा ..... सताम् ॥ - इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए ।

**विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम संस्करण, जून - १९९७**

**प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** **( ९ )**

१. ''अब यह पत्थर नहीं गिरेगा, ऊपर चढ़ा दो ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''आधी रात को इस अंधेरे में तुम अकेले यहाँ आये ? क्या तुम्हें डर नहीं लगा ?''

३. ''जो भगवत्स्वरूप हो, वही इस रस का आस्वाद करा सकता है ।''

**प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में )** **( ६ )**

१. वड़ोदरा में द्वेषी साधुओ बंगला जलाने की कोशिश करने लगे ।

.....

.....

.....

.....

२. मोतीभाई ने स्वामीश्री के हाथों पर तेल लगाया ।

३. यज्ञपुरुषदासजी अक्षररूप होने की बात अच्छी तरह से समझ गये ।

**प्र. ९ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । ( वर्णनात्मक )** **( ५ )**

१. शेषनाग के माथे पर खूँटा २. गृहत्याग

३. अजोड़ विद्वत्ता

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

**प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** **( ५ )**

१. आणंद में अलग मन्दिर के लिये कितना चन्दा लिखा गया ?

.....

.....

२. बालमुकुन्ददासजी ने अनुमति देते हुए क्या कहा ?
३. बिहारीलालजी महाराज ने डुंगर भक्त को उलहना देते हुए क्या कहा ?
४. आचार्य लक्ष्मीप्रसाद कैसे थे ?
५. आशी मन्दिर में योगी स्वामी ने सुबह में कौन सा प्रसिद्ध भजन गाया ?

**प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही ( ✓ ) का निशान करें ।** **( ६ )**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।**

१. विषम देशकाल
(१) ☐ खिचड़ी में विष परोसा ।
(२) ☐ खतरे की परिस्थिति होगी तभी स्वामीश्री को गढ़डा से ले जाना ।
(३) ☐ विष की असर दूर करने के लिए स्वामीश्री को दूध पिलाया ।
(४) ☐ स्वामीश्री को धक्का मारकर चूल्हें में फेंक दिया जाय ।

२. सारंगपुर की मूर्तिप्रतिष्ठा ।
(१) ☐ सं. १९७२ वैशाख शुक्ला षष्ठी ।
(२) ☐ स्वामीश्री ने चार सौ मन सूजी का हलुवा बनवाने का आदेश दिया ।
(३) ☐ प्रतिष्ठा हुई उस समय मूर्तियों के सामने रखा दर्पण फूट गया ।
(४) ☐ दस लाख हरिभक्तों जीमे ।

३. विज्ञानानंद स्वामी यज्ञपुरुषदासजी से किस किस ग्रंथों की कथा करवाते ?
(१) ☐ हरिगीता (२) ☐ उद्धवगीता
(३) ☐ वासुदेव माहात्म्य (४) ☐ भगवद्गीता

**प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए ।** **( ६ )**

**सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।**

**उदाहरण : दिल की सफाई का साधन :** कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे - पुरानों की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

**उत्तर :** **दिल की सफाई का साधन :** **भगतजी** ने राजकोट **पढ़ने** की आज्ञा की, इसमें **दो** हेतु थे - **संस्कृत** की पढ़ाई हो, **जूनागढ़** के पास होने से **गुणातीतानंद स्वामी** के कृपापात्र **जागा भक्त** का सम्पर्क बना रहे ।

१. **निर्भयता :** चाचाजी जब कभी तमाकु के गडियां बाँधने को कहते तो वे शर्त रखते कि 'यदि आप अक्षरपुरुषोत्तम की कोई कथा सुनावें तो मैं गडिया बाँधू ।
२. **दीक्षामहोत्सव :** संवत् १९२९ कार्तिक शुक्ला पंचमी के शुभ दिन कोठारी महाराज ने डुंगर भक्त को दीक्षा दी ।
३. **यह तो मेरा छैलछबीला लाल :** भगतजी महाराज ने कोठारी गोरधनदास को कहा, 'पादुकाएँ जिन चरणों की हैं, वे श्रीजीमहाराज मैं उनको समर्पित करुँगा फिर तो हरिभक्तों उनके पास रहेगा न ।'
४. **प्रागजी भक्त से प्रभावित :** उनका सारा दीन तो बर्तन मांझने की सेवा में बीतता था । रात को वे जागा भक्त की कथावार्ता सुनने को जाते थे । सुबह तक कथा सुनते थे ।
५. **समर्थ वक्ता :** साधु हरिस्वरूपदास यज्ञपुरुषदास को नीचा दिखाने के लिये, दुष्ट आशय से मार्मिक भाषा में बोले कि आज तो जिनके गुरु दरजी एवं लोहार हैं, ऐसे लोग मन्दिर में बड़े माने जाते हैं और पूजे जाते हैं ।
६. **दिव्य समाधि :** स्वामीश्री के द्वारा सर्व प्रथम आचार्य कुंजविहारीप्रसाद को सारंगपुर मन्दिर में राधारमण देव की मूर्ति का दर्शन करते करते समाधि लग गई ।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**
**http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm**